JAIPUR METRO

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड़
खनिज भवन, उद्योग भवन परिसर, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर–302005
दूरभाष 0141–5192407
Email : jmrc.pro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर मेट्रो ने तीसरे माह के यात्रीभार में अन्य सभी मेट्रो को पीछे छोड़ा

03 सितम्बर, 2015 अपने शुरूआती महीनों से ही राजस्थान एवं विशेषतः जयपुर के नागरिकों में सुरक्षित, आरामदायक, पन्क्चुअल एवं किफायती सार्वजनिक परिवहन का पर्याय बन चुकी जयपुर मेट्रो ने अपनी अनूठी पहचान बना ली है। तीसरे माह अगस्त में जयपुर मेट्रो का प्रतिदिन यात्री भार 29222 रहा, जबकि यह आंकड़ा दिल्ली मेट्रो में 28064 यात्री एवं बैंगलोर मेट्रो में 22828 यात्री प्रतिदिन था। चेन्नई मेट्रो जो जयपुर मेट्रो के बाद 29 जून 2015 को शुरू हुई, उसका पहले दो माह का प्रतिदिन यात्री भार 35525 है, यद्यपि जयपुर मेट्रो में प्रथम दो माह का यह आंकड़ा 42298 था। यहां यह बताना भी उचित होगा कि जयपुर नगर की आबादी अन्य महानगरों यथा दिल्ली, बैगंलोर एवं चेन्नई की तुलना में क्रमशः केवल 27, 36 एवं 65 प्रतिशत ही है।

जयपुर मेट्रो संचालन के तीन माह पूरे होने पर, परिचालन एवं प्रणाली निदेशक सी.एस. जीनगर ने बताया कि जयपुर मेट्रो के प्रति यात्रियों के इस तरह जुड़ाव को देखते हुए सभी मेट्रो रेलकर्मी एवं मेट्रो पुलिसकर्मी इस सेवा को जयपुर की लाईफलाईन बनाने के लिए तत्पर हो गये हैं। अगस्त माह में जयपुर मेट्रो द्वारा संचालित की गई 3999 ट्रेनो में से केवल एक ट्रेन की ही समयपालनता हानि दो मिनट से अधिक लेट होने के कारण हुई, एवं समयपालनता 99. 97 प्रतिशत रही। प्रथम तीन माह में जयपुर मेट्रो की समयपालनता 99.78 प्रतिशत रही, जो किसी नई मेट्रो रेल के लिए एक उपलब्धि है।

उन्होने बताया कि जयपुर मेट्रो ने अपने शुरूआती दिवस 3 जून से 31 अगस्त तक प्रथम तीन माह में 33 लाख 44 हजार यात्रियों को 11781 ट्रेनों के द्वारा 1289 घंटों का सफल संचालन कर अपने गंतव्य तक पहुंचाया। इस अवधि में यात्रियों से कुल 3 करोड़ 82 लाख रूपये की राजस्व आय हुई।

डिजीटल इंडिया मिशन के तहत अगस्त माह में ही 4 लाख 12 हजार यात्रियों ने कम्प्यूटरीकृत स्वचालित टच स्क्रीन बेस टिकिट प्रणाली से स्वयं टिकिट खरीदे, जो कुल टिकिट खरीदने वाले यात्रियों का 53 प्रतिशत से भी अधिक है, तथा यह भारत में किसी भी सार्वजनिक परिवहन उपयोगकर्ताओं में एक रिकॉर्ड है। अभी तक 8 लाख से अधिक यात्री इन मशीनों से स्वयं टिकिट खरीद चुके हैं, इससे इंगित होता है कि जयपुर एवं राजस्थान के नागरिकों का रूझान सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस के प्रति त्वरित गति से बढ रहा है।

जीनगर ने बताया कि नई पीढी को सामुदायिक यात्रा के तहत विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन प्रणाली से जोड़ने के लिए स्कूली बच्चों को अगस्त माह में शैक्षिक एवं तकनीकी भ्रमण के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रथम माह में ही 55 स्कूलों के बच्चों एवं उनके शिक्षकों ने 17 हजार से अधिक मेट्रो यात्रियों के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कर 2 लाख 25 हजार रूपये से अधिक अतिरिक्त राजस्व में बढोतरी की। इसके अलावा बच्चों ने अपनी रूचि दिखाते हुए लगभग 500 स्मार्ट कार्ड खरीदकर यात्रा की। आगामी दिनों के लिए भी कई स्कूलों ने अपनी अग्रिम बुकिगं करा रखी है।

संलग्नः तीन माह का विस्तृत विवरण

जनसम्पर्क अधिकारी